कानूनी शिकंजा | ठेकेदार का 29 लाख डकारने वाले अंशुल तिवारी और आलोक त्रिपाठी पर दर्ज हो तत्काल एफआईआर

पुलिस के रडार पर 'जय अम्बे कंपनी' के वसूलीबाज

प्रदीप शर्मा

नवभारत, धनपुरी । सोहागपुर कोयलाँचल क्षेत्र के रामपुर माइंस में आतंक और आर्थिक गबन का पर्याय बन चुकी 'जय अम्बे रोड लाइन्स कंपनी' के कर्ताधर्ता अब कानून के शिकंजे में कसते नजर आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ (दुर्ग) के प्रार्थी ठेकेदार आफताब अहमद (जानू इन्टरप्राइजेज) द्वारा 09 जून 2026 को सीधे अनूपपुर पुलिस अधीक्षक (स्क्) और सोहागपुर क्षेत्र के स्थ्वष्टरु महाप्रबंधक कार्यालय में पुख्ता दस्तावेजी सुबूतों के साथ दर्ज कराई गई शिकायत ने कंपनी के दो मुख्य चेहरों— अंशुल तिवारी और आलोक त्रिपाठी की पूरी 'वसूलीबाजी' और ग़बन का आरोप लगाया है

कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई (रसीद क्र. 59) के माध्यम से यह मामला सीधे एसपी अनूपपुर को मार्क किया गया है, जिसके बाद से ही इन दोनों रसूखदारों के खिलाफ 'अपराध पंजीबद्ध' करने की मांग ने तूल पकड़ लिया है।

आरोप अंशुल तिवारी और आलोक त्रिपाठी पर 29 .26 लाख का लगाया गया है

प्रार्थी ठेकेदार द्वारा सौंपे गए आधिकारिक शिकायती पत्र के मुताबिक, जय अम्बे कंपनी के इन रसूखदारों ने रामपुर माइंस में लेबर कॉलोनी, ऑफिस ब्लॉक और कैंटीन (शेड निर्माण) का काम कोटेशन के आधार पर जानू इन्टरप्राइजेज को दिया था। ठेकेदार ने पूरी ईमानदारी से 17 मार्च 2026 तक वर्कशीट के अनुसार कुल 34,26,601/- का काम ऑन-रिकॉर्ड पूरा कर दिया।

लेकिन, जैसे ही 5 लाख की एडवांस राशि काटकर शेष 29,26,601/- (लगभग 29.26 लाख रुपये) के भुगतान का वक्त आया, प्रोजेक्ट हेड अंशुल तिवारी और आलोक त्रिपाठी का द्वारा धमकी व पैसा न देने की बात कही जाती है!

पैसा लेकर भर्ती की चर्चा सरगर्म

वर्डन का कार्य लिया है तभी से पैसे लेकर भर्तियों का आरोप कंपनी के कर्ताधर्ताओं पर लगते रहे हैं सूत्रों से मिली जानकारी और कई ड्राइवर ने नाम न जाहिर करने की सर्त पर बताया कि जय अंबे कंपनी में भरती के नाम से 70 से 80 हजार रुपए तक वसूले गए हैं यह चर्चा पूरे क्षेत्र में किसी से छुपी नहीं है बताया जाता है कंपनी का सर्वे सर्वा त्रिपाठी नामक व्यक्ति दलालों के माध्यम से पूरा वसूली का नेटवर्क चलाता है अगर जिसने पैसा दिया उसकी नौकरी पक्की मानी जाती है और सीधे तौर पर कंपनी में गए लोगों को कोई ना कोई कारण बता कर मना कर दिया जाता है यह कहानी रामपुर मेगा प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद से ही लगातार सुर्खियों का केंद्र बना हुआ है बताया जाता है कि हाल के दिनों में कंपनी में जो वारदात हुई उसके पीछे की भी कहानी यही पैसे लेकर भरती के विवाद को लेकर हुआ था जिसमें कंपनी के त्रिपाठी नामक सर्वे सर्वा के साथ आरोपियों का लेनदेन का विवाद काफी दिनों से चला आ रहा था जो की खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया 5-5 महीने से वेतन गायब: कंपनी में दिन-रात कोयला और गाड़ियां दौड़ाने वाले कई पूर्व ड्राइवरों और वर्तमान कर्मचारियों का 4 से 5 महीने का वेतन इन रसूखदारों ने दबाकर रखा है । जय अंबे कंपनी में कार्यरत कुछ कर्मचारियों ने बताया कि कंपनी द्वारा एचपीसी रेट से भुगतान नहीं किया जा रहा है जब कंपनी से इस संबंध में बात की जाती है तो सीधे नौकरी से निकाल देने की धमकी दी जाती है कंपनी के त्रिपाठी नमक इस कर्ताधर्ता के कारनामे कोई आम बात नहीं है जिसके कारण आए दिन वहां वाद विवाद वह मारपीट की नौमत होती रहती है अगर इस लेनदेन की निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच की जाए तो सारा मामला खुद व खुद उजागर हो जाएगा की किस तरह पैसे लेकर भर्तियों का खुला खेल जय अंबे कंपनी में किया गया है जिसका मुख्य कर्ताधर्ता शहडोल का त्रिपाठी नमक व्यक्ति है। इस संबंध में जब कंपनी के एच आर आलोक त्रिपाठी का पक्ष जानने के लिए दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया जिससे साफ जाहिर होता है की किस तरह जय अंबे कंपनी में भर्ती के नाम पर लेनदेन व विवाद का मुख्य कारण क्या था जिसकी हकीकत आने वाले समय में सामने आएगी।

नाली स्लैब निर्माण पर उठे सवाल

▶ वार्ड क्रमांक 4 में टूटकर गिर रहे स्लैब, गुणवत्ता पर गंभीर आरोप

नवभारत धनपुरी। नगर पालिका धनपुरी अंतर्गत कराए गए नाली स्लैब निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। वार्ड क्रमांक 4 में नालियों के ऊपर लगाए गए कई स्लैब निर्माण के कुछ ही समय बाद टूटकर गिरने लगे हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी व्याप्त है। वार्डवासियों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया गया तथा गुणवत्ता से समझौता किया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार नालियों के ऊपर बनाए गए स्लैब में न तो मानक अनुरूप सरिया का उपयोग किया गया है और न ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है। परिणामस्वरूप कई स्थानों पर स्लैब क्षतिग्रस्त होकर टूटने लगे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व भी नगर पालिका धनपुरी द्वारा निर्मित एक स्टॉप डैम निर्माण कार्य विवादों में रहा था। नागरिकों का कहना है कि बरसाती नाले पर निर्मित उक्त स्टॉप डैम पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होकर बह गया था, जिससे लाखों रुपये की सार्वजनिक राशि पर प्रश्नचिह्न लग गया था। उस मामले में भी जांच और कार्यवाही को लेकर कई सवाल उठे थे। अब वार्ड क्रमांक 4 में सामने आई निर्माण संबंधी शिकायतों ने नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे अन्य विकास कार्यों की गुणवत्ता पर भी चर्चा तेज कर दी है। नागरिकों का कहना है कि यदि नगर पालिका कार्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित निर्माण कार्यों की यह स्थिति है, तो अन्य वार्डों में चल रहे कार्यों की गुणवत्ता का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

इनका कहना है

जब इस संबंध में नवभारत प्रतिनिधि ने उपन्यत्री मनोज श्रीवास्तव से इस संबंध में चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मैं किसी जरूरी काम में व्यस्त हू मैं आपसे इस संबंध में बाद में चर्चा करूंगा

उपयंत्री मनोज श्रीवास्तव नगर पालिका धनपुरी

जब इस संबंध में संयुक्त संचालक नगरी प्रशासन से उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने बताया कि मुझे आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई हैं मेरे पास अभी कोई शिकायत आई नहीं है यदि शिकायत आती है तो मैं उसे पर निश्चय ही कार्यवाही करूंगा।

अरविंद कुमार शर्मा, संयुक्त संचालक नगरी प्रशासन विभाग शहडोल

अभिभाषक संघ बुढ़ार चुनाव : अध्यक्ष पद के लिए जयकान्त मिश्रा ने किया नामांकन

नवभारत, बुढ़ार। अभिभाषक संघ बुढ़ार के आगामी निर्वाचन को लेकर न्यायिक परिसर में लोकतांत्रिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। संघ के सत्र 2026-28 के लिए आयोजित होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता जयकान्त मिश्रा ने अपने समर्थक अधिवक्ताओं एवं सहयोगियों की गरिमामयी उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत किया।नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होते ही अधिवक्ताओं के बीच उत्साह और सक्रियता का वातावरण दिखाई देने लगा है। नामांकन के प्रथम दिवस ही अध्यक्ष पद के प्रमुख दावेदार के रूप में जयकान्त मिश्रा ने पूरे आत्मविश्वास और जोश के साथ अपना दावा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता उनके साथ उपस्थित रहे, जिससे चुनावी माहौल में विशेष ऊर्जा का संचार देखा गया। अभिभाषक संघ बुढ़ार के निर्वाचन संचालन हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता रामकृष्ण गुप्ता को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए अधिवक्ता सुशांत शेखर घोष, मनीष जायसवाल, शेषनारायण शर्मा एवं रीना पात्रिक को सहायक निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्वाचन समिति के मार्गदर्शन में संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जाएगी। निर्वाचन अधिकारी रामकृष्ण गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन पत्र प्राप्त करने एवं जमा करने की प्रक्रिया 10 जून से 12 जून तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक जारी रहेगी। इसके पश्चात निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 जून को मतदान कराया जाएगा ।

तीन महाप्रबंधक बदले, फिर भी नहीं बदली सेल्स विभाग कार्यालय की सूरत

नवभारत, धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया स्थित एरिया सेल्स विभाग का कार्यालय क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण कार्यालयों में शुमार है, जहां कोयला उत्पादन और विपणन से जुड़े अनेक प्रशासनिक एवं व्यावसायिक कार्य संचालित होते हैं। इसके बावजूद यह भवन वर्षों से उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। भवन की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार निर्देश दिए गए, लेकिन आज तक कोई ठोस सुधार नहीं हो सका।

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में सोहागपुर एरिया में तीन महाप्रबंधक बदल चुके हैं। सभी ने अपने कार्यकाल में भवन की खराब स्थिति को देखते हुए मरम्मत एवं सुधार कार्य के निर्देश दिए थे। दिसंबर माह में वर्तमान महाप्रबंधक बी.के. जेना ने भी कार्यालय का निरीक्षण कर आवश्यक निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए थे। उस समय सिविल विभाग द्वारा अप्रैल तक भवन की तस्वीर बदलने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन जून माह शुरू होने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।भवन की जर्जरता पहले भी नुकसान का कारण बन चुकी है। कुछ समय पूर्व कार्यालय की बाहरी दीवार गिरने से एक अधिकारी का चार पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया था।

घटना के बाद केवल दीवार की मरम्मत कर दी गई, लेकिन भवन के व्यापक सुधार की दिशा में कोई पहल नहीं हुई। कार्यालय के भीतर भी हालात चिंताजनक हैं। सेल्स अधिकारी कक्ष की छत क्षतिग्रस्त है, जबकि मुख्य हाल में बरसात के दौरान छत से पानी टपकने की समस्या बनी रहती है। दीवारों में सीलन, उखड़ता प्लास्टर तथा रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त अलमारियों का अभाव कर्मचारियों की परेशानी बढ़ा रहा है। महत्वपूर्ण दस्तावेजों के खराब होने का खतरा भी बना हुआ है। मानसून की दस्तक से पहले कर्मचारियों ने भवन की तत्काल मरम्मत की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते आवश्यक कार्य नहीं किए गए तो बारिश के दौरान कार्यालय संचालन और कर्मचारियों की सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकते हैं। अब सभी की निगाहें प्रबंधन और सिविल विभाग पर टिकी हैं।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील गोहपारू ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत, गोहपारू । प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश के प्रान्तीय कार्यक्रम अनुसार संपूर्ण मध्यप्रदेश में 10 जून को पेंशनर्स की ज्वलंत लंबित मांगों के निराकरण हेतु तहसील स्तर पर ज्ञापन देने की तिथि निश्चित की गई थी जिसके तारतम्य में गोहपारू तहसील जिला शहडोल में तहसील अध्यक्ष राजेश कुमार दुबे की अध्यक्षता एवं संभागीय महासचिव महेश प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में पेंशनर को आयुष्मान भारत योजना प्रस्तावित 4फीसदी प्रीमियम के स्थान पर कर्मचारियों की तरह 1फीसदी या पूर्णतया समाप्त करने, म प्र छत्तीसगढ़ राज्य पुनर्गठन अधिनियम 46(6) को समाप्त करने, पेंशनर्स को कर्मचारियों की तरह मृत्यु पश्चात उपादान राशि प्रदान करने, पेंशनर्स को मंहगाई राहत कर्मचारियों की तरह उसी तिथि एवं दर से सदैव देने, छठवें वेतन मान का 32माह एवं सातवें वेतन मान का 27माह का एरियर 6प्रतिशत ब्याज दर से भुगतान करने, माननीय न्यायालय के निर्णयानुसार 79वर्ष की आयु पूर्ण कर पश्चात 20फीसदी अतिरिक्त पेंशन का लाभ देने जैसे छः सूत्रीय मांगों का ज्ञापन शाम 4 बजे तहसीलदार गोहपारू जिला शहडोल को दिया गया

ज्ञापन देने में संभागीय महासचिव महेश प्रसाद द्विवेदी, संभागीय सचिव राजेश कुमार सिंह, कार्य कारिणी सदस्य बिहारी लाल कोल तहसील संरक्षक बीरदेव सिह, अध्यक्ष राजेश कुमार दुबे, सचिव बुद्धसेन सिंह, कोषाध्यक्ष रामनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष रामसजीवन सिंह कंवर, संयुक्त सचिव संजय कुमार गुप्ता, ब्लाक अध्यक्ष सी पी मिश्रा, सदस्य शिवनंदन सिंह ओल्के खेल्लू सिंह धुर्वे, सहित अनेक पेंशनर्स उपस्थित रहे । बाद ज्ञापन ब्लाक परिसर में एक आवश्यक बैठक संभागीय महासचिव की अध्यक्षता में 30 जून को जिलाध्यक्ष एवं 22.06.2026को प्रांत में मुख्य मंत्री महोदय को ज्ञापन सौंपने में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई

प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच

▶ 13 से 15 जून तक होंगे नि :शुल्क चयन ट्रायल

नवभारत, शहडोल। जिले के प्रतिभाशाली बालक एवं बालिका फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर उपलब्ध होने जा रहा है। मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ के निर्देशानुसार जिला फुटबॉल संघ शहडोल द्वारा मध्य प्रदेश फुटबॉल एकेडमी के लिए निःशुल्क चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। जिला फुटबॉल संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि चयन ट्रायल 13 जून से 15 जून 2026 तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से स्वर्गीय जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल मैदान, विचारपुर (शहडोल) में आयोजित किए जाएंगे। ट्रायल में 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। चयन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। चयन ट्रायल का संचालन मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा नियुक्त वरिष्ठ एवं अनुभवी प्रशिक्षक आशीष पिल्ले तथा स्वपन कुमार विश्वास के मार्गदर्शन में किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय फुटबॉल एकेडमी में निःशुल्क उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके खेल कौशल को निखारने और पेशेवर खिलाड़ी बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।आयोजकों के अनुसार यह पहल शहडोल जिले की उभरती फुटबॉल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को अपनी खेल किट, फुटबॉल शूज, शिन-गार्ड सहित आवश्यक खेल सामग्री के साथ निर्धारित समय पर मैदान में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। यह चयन ट्रायल जिला फुटबॉल संघ शहडोल के संरक्षक मंडल एवं पदाधिकारियों की देखरेख में आयोजित होगा। संघ ने जिले के सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

नवभारत, शहडोल। भाजपा सरकार के दबाव में सुनियोजित षड्यंत्र के तहत कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री एवं राज्यसभा प्रत्याशी का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल द्वारा अंबेडकर चौक में जोरदार धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष ने किया। धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद की।धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। बहन मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, संविधान और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि सत्ता के संरक्षण में लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि देश का संविधान प्रत्येक नागरिक को चुनाव लड़ने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का अधिकार देता है, लेकिन भाजपा सरकार राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण संवैधानिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी इस अन्याय के विरुद्ध सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और जनता को इस सच्चाई से अवगत कराएगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को समाप्त करने की कोशिशें देश के लिए घातक हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां एवं बैनर लेकर लोकतंत्र बचाने और संविधान की रक्षा करने के नारे लगाए। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि कांग्रेस पार्टी अन्याय, दमन और तानाशाही प्रवृत्तियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष करती रहेगी।कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति एवं निर्वाचन आयोग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की लोकतंत्र विरोधी कार्रवाइयां जारी रहीं तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशव्यापी जनआंदोलन चलाने के लिए बाध्य होगी। उक्त जानकारी जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने प्रदान की। धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, मोर्चा-प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि, पार्षदगण, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुढार में कांग्रेस का प्रदर्शन, किया भजन-कीर्तन

नवभारत, बुढ़ार। राज्य सभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज करने के विरोध में आज प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों और ब्लाक मुख्यालयों में एक दिवसीय उपवास कर सत्याग्रह का आयोजन किया गया , इस कडी में शहडोल जिले के बुढ़ार ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में भी यह सत्याग्रह किया गया। इस सत्याग्रह में काग्रेस के नेताओं ने एक दिवसीय उपवास कालेज तिराहा में किया उपवास में कांग्रेस के नेताओं ने उपवास रखकर भारतीय जनता पार्टी की लोकतंत्र विरोधी गतिविधियों और उनके इशारों में काम कर रहे निर्वाचन आयोग का मुखर विरोध प्रगट किया। बुढ़ार ब्लाक भर के नेताओं ने इस उपवास सत्याग्रह में भाग लेकर भाजपा की अन्याय पूर्ण नीतियों का खुल कर विरोध जताया। लोकतंत्र की रक्षा के नारों से संकल्प लेते हुए कांग्रेस जनों ने रघुपति राघव राजाराम कीर्तन का उच्चारण करते हुए जन जन में भाजपा की कलुषित कार्य शैली को पहुंचाने का काम किया गया। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अंकित ने कहा कि भाजपा के व्दारा सत्ता के दबाव में अपने तंत्र का प्रयोग कर जिस तरह लोकतंत्र की हत्या की जा रही है , वह निंदनीय है। आन्दोलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप सिंह राम सिंह आनंदमोहन जयसवाल मो आज़ाद अशोक सिंह रामसजीवन शर्मा नगर कांग्रेस बुढ़ार बकहो दोनों के अध्यक्ष हर्ष पाठक जवाहर राव नीलम सिंह बुढ़ार मंगलम अध्यक्ष मनोज जैन अनेक नेता शामिल हुए।

अवैध रेत उत्खनन की खबर प्रकाशित करने पर पत्रकार को मिली धमकी

▶ रेत माफ़ियाओं के हौसले बुलंद निष्पक्ष पत्रकारिता पर दबाव बनाने का आरोप

नवभारत, गोहपारू । क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ लगातार समाचार प्रकाशित किए जाने के बाद पत्रकार विकास सरकार द्विवेदी को कथित रूप से रेत माफ़ियाओं द्वारा धमकियां दिए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बोचकी, सोन नदी और सकरिया नाला एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित अवैध रेत उत्खनन और परिवहन संबंधी खबरों के प्रकाशन से नाराज कुछ लोगों द्वारा पत्रकार पर दबाव बनाने तथा समाचार प्रकाशित न करने की चेतावनी दी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, पत्रकार विकास सरकार द्विवेदी द्वारा क्षेत्र में रात के समय हो रहे अवैध रेत उत्खनन, राजस्व को हो रही क्षति तथा प्रशासनिक कार्रवाई की मांग को लेकर लगातार समाचार प्रकाशित किए जा रहे हैं। इसके बाद कथित रूप से कुछ रेत कारोबारियों द्वारा उन्हें फोन एवं अन्य माध्यमों से धमकी देने का प्रयास किया गया।पत्रकार ने कहा कि वे जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाते रहेंगे और अवैध गतिविधियों के खिलाफनिष्पक्ष पत्रकारिता जारी रखेंगे। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, नागरिकों एवं पत्रकारों ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर किसी भी प्रकार का दबाव या धमकी अस्वीकार्य है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर दोषियों के खिलाफकानूनी कदम उठाने की मांग की है।पत्रकारों ने कहा कि यदि धमकी देने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई तो मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा।

अवैध उत्खनन | अन्य जगहों की टीपी के माध्यम से सतना, रीवा भेजी जा रही रेत

खाखी के संरक्षण में रसपुर, बराछ, जमोड़ी और टिहकी में हो रहा रेत का अवैध उत्खनन

नवभारत, शहडोल। रेत खदान का ठेका न होने से मानो रेत का अवैध करोबार पुलिस और रेत माफ़ियाओ के लिये लकी ड्रा साबित हो रहा है। जिस तरह से नंबर 2 की रेत निकालकर बेखौफ होकर अन्य जगहों की टीपी के माध्यम से सतना, रीवा भेजी जा रही है उसमे अगर कप्तान ने नब्ज टटोली तो थानो के मुखिया इस करोबार को पर्दे के पीछे खुद करने का काम कर रहे है और अपने गुर्गे पाल लिये है व रेत माफ़ियाओ को संरक्षण देने का काम किया है। ब्योहारी मे रेत के अवैध करोबार को लेकर इन दिनों खाखी का संरक्षण रेत माफ़ियाओ को बेखौफतरीके से दिया जा रहा है। जिससे नदियों से रेत का उत्खनन चरम पर है। बल्कि यूं कंहे कि पुलिस खुद रेत निकालने का काम कर रही है और थानो मे एक ऐसा आरक्षक फिट है जो पुलसिया लेन देन को करने का काम भी करता है। ब्योहारी के चारो ओर रेत का अवैध उत्खनन धड्डल्ले से चल रहा है। एक एक क्षेत्र का अगर निरीक्षण किया जाये तो बेखौफतरीके से मशीने लगाकर रेत निकालने का काम हो रहा है।

सांझ ढलते ही शुरू हो जाता है रेत का अवैध कारोबार

क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल दिन के बजाय रात के अंधेरे में अधिक सक्रिय हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार जैसे ही शाम ढलती है, नदी घाटों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली और भारी वाहन पहुंचने लगते हैं तथा पूरी रात अवैध रूप से रेत निकाली और ढोई जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि रेत माफ़िया प्रशासनिक कार्रवाई के भय से दिन में शांत रहते हैं, लेकिन रात होते ही नदियों का सीना छलनी करने का सिलसिला शुरू हो जाता है। कई स्थानों पर मशीनों और वाहनों की आवाजाही से ग्रामीणों की नींद तक प्रभावित हो रही है, वहीं नदी घाटों के आसपास रहने वाले लोग भय और असुरक्षा का माहौल महसूस कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अवैध खनन की जानकारी संबंधित विभागों को होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे रेत माफ़ियाओं के हौसले बुलंद हैं और प्राकृतिक संसाधनों का लगातार दोहन जारी है।

कहां से निकल रही रेत

अवैध रेत उत्खनन के करोबार के लिए ब्योहारी थाना अंतर्गत रसपुर, बराछ, जमोड़ी, मउ, खामडांड, भमरहा, टिहकी और घोरसा मे नदियों से रेत निकाल बेचने का कार्य धड्डल्ले से किया जा रहा है। साथ ही रात मे जेसीबी से हाइवा लोड कर सतना और रीवा भेजा जा रहा है।

संयुक्त रूप से कार्यवाही की मांग

जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल ने ग्राम रसपुर और बराछ मे हो रहे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिये कई बार ज्ञापन के माध्यम से मांग किया गया किन्तु आज तक रोक नहीं लग पाया है। रेत माफ़ियाओ को खनिज और पुलिस विभाग का संरक्षण मिला हुआ है। अवैध उत्खनन से आये दिन क्षेत्र मे अप्रिय घटना हो रही है। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस एवं खनिज विभाग से संयुक्त अभियान चलाकर अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गयी है।